जोधपुर में 15 घंटे में एक सौ अट्ठारह मिलीमीटर वर्षा, शहर पूरा पानी-पानी

- सोमवार शाम से हो रही भारी बारिश से शहर में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं, स्कूलों में भी छुट्टी कर दी गई।
- भारी बारिश से हुए जल भराव से शहर के बिगड़े हालात का जायजा लेने प्रशासन सड़कों पर उतरा।
- बारिश की वजह से रोडवेज़ की बसें नहीं चलीं और ट्रेनें भी लेट हो रही हैं।

जोधपुर, 26 जुलाई (कासं)। दक्षिण पश्चिम मानसून प्रदेश में सक्रिय होने से जोधपुर संभाग में बादल टूट कर बरसे। सोमवार की शाम सात बजे शुरू हुई बारिश का दौर मंगलवार दोपहर तक जारी रहा। रूक- रूक हो रही बारिश से शहर के नाले उफान पर आ गए और सड़कें भी दरिया बन गईं। अब तक 118 एम.एम. पानी बरस चुका है।

बारिश की वजह से कुछ जगहों पर दीवारें गिरीं तो कई स्थानों पर जल भराव हुआ और पेड़ तक गिर गए हैं। जोधपुर शहर के साथ ग्रामीण इलाकों में भी खूब पानी बरसा है।

इधर रोडवेज के पहिए भी थम गए हैं और कई ट्रेनों के समय में परिवर्तन किया गया है। शहर में बारिश के कारण सरकारी आदेश पर आज स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई वहीं राजस्थान हाईकोर्ट में भी कामकाज प्रभावित हुआ है।

बीते करीब 15 घंटे से हो रही बारिश से शहर में बाढ़ के हालात हैं। जिला कलक्टर हिमांशु गुप्ता सहित प्रशासनिक अमला शहर के हालात का जायजा लेने उतरा है।

मूसलाधार बरसात का दौर जोधपुर व आसपास के एरिया में सोमवार शाम करीब सात बजे से शुरू हुआ। तीन घंटे की तेज बरसात से शहर की गलियों में कई फीट तक पानी जमा हो गया और पानी का बहाव नदी जैसा लगने लगा। इस बहाव में कई गाडिय़ां बहती दिखीं। मानसून के 22 दिनों में जोधपुर की यह पहली तेज बारिश है। शहर के कई इलाकों में बिजली गुल है।

शहर के रेलवे स्टेशन में पानी भरने से यात्रियों को बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ा। रेलवे ट्रैक पर इतना पानी भरा था कि ट्रैक नजर नहीं आए। प्लेटफॉर्म और स्टेशन के बाहर भी जलभराव से यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी। इधर राइकाबाग बस स्टैंड में भी पानी भर गया।

शहर के कागा कॉलोनी स्थित राधाकृष्ण मंदिर रामगढ़ी में दीवार ढहने से वहां खड़ी कार क्षतिग्रस्त हो गई। जेसीबी की मदद से मलबे के साथ कार को निकाला गया।

इधर भीतरी शहर के पुंगलपाडा स्थित गाय गली में शाहों की पोल की दीवार का हिस्सा ढह गया जिससे दुपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। सोमवार की रात को हुई बरसात के कारण भीतरी शहर में पानी के तेज वेग से गाडिय़ां बह गईं। खांडा फलसा दूधेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र में दुकानों में पानी भर गया। जालोरी गेट जालप मोहल्ला क्षेत्र में पानी के वेग के साथ दो कारें बह गई। जलजोग, बारहवी रोड़, खतरनाक पुलिया, पावटा, मंडोर, जिला कलेक्ट्रेट, नेहरु पार्क आदि क्षेत्रों में सड़कों पर कमर तक पानी भर गया है।

नगर निगम की घोर लापरवाही का खामियाजा शहर के लोग भुगत रहे हैं। शहर के सभी बरसाती नालों की निकासी बंद पड़ी है। कोई भी नाला जोजरी नदी से नहीं जुड़ पाया। पानी निकासी का कोई रास्ता नहीं होने के कारण पानी शहर के एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र की तरफ बढ़ता रहा। शहर का कोई क्षेत्र ऐसा नहीं बचा जहां जल भराव नहीं हो रखा है।

भीतरी शहर व सरदारपुरा के बरसाती पानी की निकासी के लिए नेहरू पार्क के समीप से गंदा नाला बहना शुरू होता है। इसे जोजरी नदी से जोडऩे का काम बरसों से अटका पडा है। ऐसे में इसका पानी आगे जाकर कॉलोनियों में फैल जाता है। वहीं चौपासनी हाउसिंग बोर्ड की जल निकासी के लिए दस करोड़ की लागत से बनाया जा रहा नाला निगम की लापरवाही के कारण अधूरा पड़ा है। बंबा मोहल्ले से शुरू होने वाली बरसाती नाले को तो निगम ने कई जगह पर सीवर लाइन से ही जोड़ दिया। सीवर लाइन की अपनी क्षमता है। उसके माध्यम से पानी की निकासी बेहद धीमी रफ्तार से हो पाती है।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर में भारी वर्षा के मद्देनजर आमजन को सावधानी बरतने का आ ान किया है। जोधपुर की स्थिति को लेकर शेखावत निरंतर जिला कलेक्टर और निगम प्रशासन के संपर्क में हैं। उन्होंने मंगलवार सुबह महापौर और निगम के पार्षदों से भी फ़ोन पर बातचीत की।

'देश के असली मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए केन्द्रीय एजेंसियों का खुलेआम राजनीतिकरण हो रहा है'

पायलट को दिल्ली में लिया गया हिरासत में

जयपुर, 26 जुलाई (का.प्र.)। दिल्ली में कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी से ईडी की पूछताछ के विरोध में प्रदर्शन कर रहे पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित कई नेताओं को पुलिस ने मंगलवार को हिरासत में लिया है। कांग्रेस के सांसद व नेता दिल्ली में ईडी ऑफिस और कांग्रेस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। कांग्रेस नेताओं को किंग्सवे कैंप पुलिस लाइन ले जाया गया है।

राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने प्रदर्शन के बाद केंद्र सरकार और बीजेपी पर निशाना साधा। पायलट ने कहा, पिछले आठ साल से इस देश में केंद्रीय एजेंसियों को एक लक्ष्य दिया गया है कि, कैसे विपक्ष को और खासकर कांग्रेस की आवाज को दबाया जाए। कभी ईडी के समन भेजना, पूछताछ करना, बेवजह आरोप लगाना इनकी टैन्डेन्सी बन गई है।

पायलट ने कहा, देश के जो असली मुद्दे हैं, जैसे बेरोजगारी, महंगाई, जीएसटी, कृषि की समस्याएं आदि, उनसे ध्यान हटाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का खुलेआम राजनीतिकरण हो रहा है। इसके विरोध में हमने सत्याग्रह किया है। केंद्र सरकार पर तानाशाही इतनी हावी है कि अपने विरुद्ध उठने वाली हर आवाज को षड्यंत्र से कुचलना चाहती है। सत्ता का गलत उपयोग कर हमें गिरफ्तार करके भाजपा ने फिर अपने अहंकार का परिचय दिया है, लेकिन भाजपा के हर कुचक्र के खिलाफ हमारा सत्याग्रह जारी रहेगा। पायलट ने कहा, हम चाहते हैं कि संसद में देश के मुद्दों पर चर्चा हो । संसद में महंगाई, बेरोजगारी और लोगों के साथ हो रहे अन्याय पर चर्चा हो। इनका एक ही लक्ष्य है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी को बदनाम किया जाए। देश यह सब देख रहा है और समझ रहा है। लोग समझेंगे और आठ साल के कुशासन को खत्म करने के लिए हमारे साथ खड़े होंगे। देश की जनता आज जवाब मांग रही है, जनता कांग्रेस के साथ खड़ी है।

28 हज़ार करोड़ के रक्षा सौदों को मंजूरी

नयी दिल्ली 26 जुलाई (वार्ता)। सरकार ने सशस्त्र सेनाओं के लिए करीब 29 हजार करोड़ रूपए के रक्षा सौदों को मंजूरी दी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई रक्षा खरीद परिषद की बैठक में सशस्त्र सेनाओं के लिए 28732 करोड़ रुपए के सौदों को मंजूरी दी गई। यह खरीद

- विभिन्न संघर्षों तथा अभियान के दौरान ड्रोन के बढ़ ते इस्तेमाल को देखते हुए सेनाओं के लिए निगरानी और हथियारों से लैस ड्रोन की खरीद को मंजूरी दी गई है।

स्वदेशी कम्पनियों से की जाएगी, जिससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ ावा मिलेगा।

इन सौदों के तहत सीमाओं पर विशेष रूप से अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों और आतंकवाद अभियानों में शामिल बलों के लिए बुलेट प्रूफ जैकेट तथा कार्बाइन खरीदी जाएंगी।

विभिन्न संघर्षों तथा अभियान के दौरान ड्रोन के बढ़ ते इस्तेमाल को देखते हुए सेनाओं के लिए निगरानी और हथियारों से लैस ड्रोन की खरीद को मंजूरी दी गई है। तटीय क्षेत्रों में सुरक्षा को बढ़ ाने के उद्देश्य से तटरक्षक बल के लिए तेज गति से चलने वाली 14 नौकाओं की भी खरीद की जाएगी।

जोधपुर में 4 बच्चों की पानी में डूबने से मौत

- गोविन्दपुरा गांव के चार बच्चे नाड़ी पर गए थे, जहां एक-एक कर डूबते गए और उनकी मौत हो गई।
- सभी बच्चे 12 से 16 साल के हैं, जिनमें से 15 साल की अनिता व 12 साल का किशोर सगे भाई-बहन हैं।

जोधपुर, 26 जुलाई (कासं)। जोधपुर शहर के निकटवर्ती खेड़ापा स्थित बावड़ी कस्बे के गोविंदपुरा गांव में मंगलवार की दोपहर नाड़ी पर गए चार बच्चों की पानी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। शवों को नाड़ी से बाहर निकलवा कर सीएचसी अस्पताल की मौर्चुअरी में रखवाया गया है। पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुँचकर जायजा लिया।

ग्रामीण पुलिस ने बताया कि खेड़ापा के बावड़ी कस्बे में गोविंदपुरा गांव के चार बच्चों, 12 साल का पिंटू पुत्र रामनिवास, 15 साल की अनिता पुत्री हीराराम, 16 साल की संजू पुत्री प्रकाश एवं 12 साल का किशोर पुत्र हीराराम, की पानी में डूबने से मौत हो गई। ये सब बारिश का आनंद लेने गोविंदपुरा स्थित एक नाड़ी पर गए थे जहां एक एक कर वो सब डूब गए। सूचना मिलने पर खोड़ापा पुलिस और उपखंड अधिकारी आदि वहां पहुंचे।

हज...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाहर दी जाने वाली सेवाओं के लिये जी.एस.टी. की एक्स्ट्रटेरिटोरियल एप्लिकेशन पर वादियों द्वारा उठाया गया मुद्दा अभी खुला हुआ है क्योंकि यह एक अन्य बैंच के पास विचाराधीन है। टूर ऑपरेटर उन हाजियों पर लगाई गई जी.एस.टी. को चुनौती देने के लिये सर्वोच्च न्यायालय गये, जो उनके द्वारा दी जाने वाली सेवाओं का लाभ लेते हैं। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 245 के अनुसार, कोई भी टैक्स-कानून एक्स्ट्राटेरिटोरियल, गतिविधियों पर लागू नहीं होता। उन्होंने टैक्स लगाये जाने को भेदभावपूर्ण बताया, क्योंकि यह छूट उन हाजियों को तो मिल जाती है, जो हज कमेटी ऑफ इंडिया के माध्यम से तीर्थयात्रा पर जाते हैं। 2020 में कोविड-19 के फैलने के बाद, यह पहला अवसर है, जब सऊदी अरब ने विदेशी तीर्थयात्रियों को हज करने की अनुमति दे दी है क्योंकि पिछले दो वर्ष यह यात्रा केवल घरेलू तीर्थयात्रियों तक सीमित कर दी गई थी।

'आम आदमी क्लीनिक'

- मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार 15 अगस्त को, जनता को 75 आम आदमी क्लीनिक समर्पित करेगी।

चंडीगढ़ , 26 जुलाई (वार्ता) पंजाब में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने का दावा करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने कहा कि पंजाब सरकार 15 अगस्त से आम आदमी क्लीनिक्स की शुरुआत करने जा रही है, जिससे राज्य के हर वर्ग को उच्च स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने पंजाब भवन में मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों से कहा कि आप सरकार अपने एक और बड़े चुनावी वादे को पूरा करने जा रही है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनता को 75 आम आदमी क्लीनिक समर्पित करेगी। इन क्लीनिकों में आम लोगों का मुफ्त इलाज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 109 नए आम आदमी क्लीनिक स्थापित किए जाएंगे, ताकि राज्य में आम आदमी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे।

पाकिस्तान में बारिश से 18 की मौत

इस्लामाबाद , 26 जुलाई (वार्ता)। पाकिस्तान के कई शहरों में लगातार बारिश के कारण देश भर में आई अचानक बाढ़ में कम से कम 18 और लोगों की मौत हो गई है। डॉन ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

समाचार पत्र डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक सिंध के कई इलाकों में लगातार बारिश के कारण गंभीर

- सिंध के कई इलाकों में लगातार बारिश के कारण गंभीर जल-जमाव होने से लोगों ने प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया।

जलजमाव होने के कारण लोगों ने प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। कई इलाकों में घंटों बिजली गुल रहने और रिहायशी इलाकों में पानी भर जाने से लोगों में नाराजगी है।

उनकी शिकायतों को अधिकारी अनसुनी कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बारिश ने विशेष रूप से कराची शहर के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है।

श्रीलंका में डॉक्टरों और दवाईयों की कमी, अस्पताल खाली हुए

- देश के अभूतपूर्व आर्थिक संकट ने स्वतंत्र और सार्वभौमिक स्वास्थ्य प्रणाली को भी नहीं बख्शा।
- मौजूदा समय में देश में विभिन्न आवश्यक वस्तुओं की कमी चल रही है, जिसमें दवाएं भी प्रमुख रूप से शामिल हैं। दवाईयों की कमी के कारण छोटी से लेकर गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगियों के जीवन को बचाने में बहुत परेशानी आ रही है।

कोलम्बो 26 जुलाई (वार्ता)। श्रीलंका का राष्ट्रीय अस्पताल देश का सबसे बडा अस्पताल है। देश में राजनीतिक और आर्थिक संकट से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रही है और अस्पताल मरीज़ों और डॉक्टरों के न होने से खाली पड़े हैं। एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी सामने आयी है।

देश में अभूतपूर्व आर्थिक संकट ने स्वतंत्र और सार्वभौमिक स्वास्थ्य प्रणाली को भी नहीं बख्शा और इससे बड़ा झटका दिया है, जो कुछ महीने पहले श्रीलंका की दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के तुलना में स्वास्थ्य क्षेत्र में अच्छी स्थिति मानी जाती थी।

मौजूदा समय में देश में विभिन्न आवश्यक वस्तुओं की कमी चल रही है, जिसमें दवाएं भी प्रमुख रूप से शामिल हैं।

दवाईयों की कमी के कारण छोटी से लेकर गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगियों के जीवन को बचाने में बहुत परेशानी आड़े आ रही है।

राष्ट्रीय अस्पताल हालांकि आम तौर पर पूरे द्वीप राष्ट्र में विशेष उपचार के लिए जाना जाता है। जो इस संकट के दौर में स्वास्थ्य कर्मियों की कमी से जूझ रहा है और इसके 3,400 बिस्तरों में से कई अप्रयुक्त हैं। अस्पताल में सर्जिकल उपकरण और जीवन रक्षक दवाओं की आपूर्ति लगभग खत्म हो गई है, जबकि पेट्रोल की कमी ने रोगियों और डॉक्टरों दोनों को इलाज के लिए अन्यत्र जाने में सबसे बड़ी बाधा पैदा कर दी है। श्रीलंका अपनी जरूरतों के शेष हिस्से के निर्माण के लिए कच्चे माल के साथ-साथ 85 प्रतिशत दवाओं और चिकित्सा उपकरणों का आयात करता है।

देश अब हालांकि दिवालिया के कगार पर पहुंच गया है और विदेशी मुद्रा की कमी ने अर्थव्यवस्था को लगभग चौपट कर दिया है और इस संकट से उबरने के लिए पर्याप्त पेट्रोल और बीमारों के इलाज के लिए पर्याप्त फार्मास्यूटिकल्स के स्त्रोत आड़े आ रहे हैं।

नकली नोट की कमाई से मंहगे शौक पूरे कर रहे अपराधियों ने किए कई खुलासे

पूछताछ में हो रहे इन खुलासों से पुलिस भी हैरान है

- ये अपराधी नकली नोटों की कमाई से मंहगी गाड़ियों में घूमते, मंहगे होटलों में रूकते थे और कॉल गर्ल्स पर भारी रकम खर्च करते थे।
- सभी ने सट्टा लगाने और ड्रग्स लेने की बात भी कबूली।
- गिरोह के मास्टर माइन्ड ने एक साल में ही आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न करोड़ों का बंगला बना लिया।

बीकानेर, 26 जुलाई (कासं)। राजस्थान में नकली नोट छापने वाले अब तक के सबसे बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। बीकानेर में पकड़े गए 6 आरोपियों से पुलिस ने 2.74 करोड़ से ज्यादा रुपये के नकली नोट बरामद किए थे। देशभर में इन्होंने ये नकली नोट चलाये हैं। अब इनसे हुई पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं।

बीकानेर रेंज के आईजी ओमप्रकाश पासवान ने बताया कि इस गिरोह के सभी सदस्यों के बड़े-बड़े शौक थे। बड़े शहरों की होटलों में कॉलगर्ल्स बुलाने के साथ -साथ घूमने के लिए महंगी गाड़ियां खरीदी थीं। कहीं आने-जाने पर महंगे होटल में ही ठहरते और लाखों रुपये एक दिन में उड़ा देते थे। गिरोह के मास्टरमाइंड चम्पालाल ने नकली नोटों के धंधे से बीकानेर में आलीशान बंगला बना लिया है। ये लोग जुआ सट्टा में भी बड़ी रकम लगाते थे। बताया जाता है कि सभी सदस्य महंगे नशे के भी आदी हैं। फिलहाल चम्पालाल शर्मा उर्फ नवीन सारस्वत (31) के साथ रविकांत जाखड़ (24), नरेन्द्र शर्मा उर्फ विक्की (27) मालचंद शर्मा (29) पूनमचंद शर्मा (26) और राकेश सारस्वत (22) पुलिस की गिरफ्त में हैं। पूछताछ में इनकी प्रॉपर्टी के बारे में जानकारी भी सामने आई है। पुलिस ने दो दिन पहले इस गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने रेड के दौरान इन युवकों से चार गाड़ियां भी बरामद की हैं, जो करीब 60 लाख रुपये की हैं। इसमें एक जीप कम्पास भी शामिल है, जिसकी कीमत करीब 19 लाख रुपये है। साथ ही नैक्सा एस क्रास भी मिली, जो करीब दस लाख रुपये की है। इसके अलावा सात से आठ लाख रुपये लागत की बलेनो और स्विफ्ट डिजायर भी बरामद की गई।

यह भी पता चला है कि पुलिस गिरफ्त में मौजूद 6 युवक एमडी जैसा सबसे महंगा नशा भी करते हैं। नोखा में पिछले दिनों एमडी की तस्करी करते युवक भी गिरफ्तार हुए थे। अब यह भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं नशे के कारोबार में तो इनका हाथ नहीं है।

चम्पालाल शर्मा के आलीशान बंगले की तलाशी भी ली गई है। हालांकि यहां क्या-क्या मिला, इसकी जानकारी नहीं दी गई। इसी तरह गिरोह के एक अन्य सदस्य ने बीकानेर की महंगी कॉलोनी वृंदावन एनक्लेव में मकान ले रखा था। पुलिस इन लोगों की प्रॉपर्टी देखकर हैरान है।

'ब्रिटेन-चीन संबंधों के साथ... आई.एम.एफ. का आकलन है,...

राजघाट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह पता चलता है कि कांग्रेस के किसी भी विरोध से भाजपा डरी हुई हैं।

उन्होंने कहा कि बार-बार (ई.डी.) के सम्मन देकर 75 वर्षीय महिला को परेशान करना स्पष्ट रूप से एक राजनीतिक प्रतिशोध हैं। उन्होंने कहा कि यह भारत का पहला ऐसा केस हैं जिसमें जांच एजेंसी ने करीब 10 वर्ष तक सभी फाइलें अपने पास रखने के बाद जांच से इन्कार कर दिया था क्योंकि यह केस एक खुली किताब जैसा है, फिर भी जिसमें पार्टी के दो आदरणीय नेताओं को बदनाम किया गया। इनमें राहुल गांधी से पांच दिन पूछताछ की गई और सोनिया गांधी से मंगलवार को दूसरी बार।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चीन के लिए उनका रूख ट्रस की तुलना में कम कठोर है। तथापि, ट्रस के साथ होने वाली बहस से पूर्व सुनक ने अपना रूख पूर्णतया बदल लिया है। एफ.टी. के अनुसार सुनक ने सोमवार का कहा था कि वे यू.के. में कन्फ्युशियस इन्स्टीट्यूट की सभी 30 शाखाओं को प्रतिबंधित कर देंगे। इसके लिए उन्होंने तर्क दिया था कि चीन सरकार इस शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संगठन का उपयोग ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों में सॉफ्ट पावर को प्रोत्साहन देने के लिए कर रही है। उन्होंने यू.के. के तकनीकी स्टार्ट अप्स में चीन के निवेश से बचाने के लिए नए राष्ट्रीय सुरक्षा कानूनों का कड़ा प्रयोग करने और चीन की सायबर धमकियों का मुकाबला करने के लिए नाटो जैसे एक नए अन्तर्राष्ट्रीय गठबंधन का वादा भी किया। सुनक और ट्रस के बीच करीब 1 लाख 60 हजार कन्ज़रवेटिव सदस्यों का समर्थन जुटाने की होड़ मची हुई है, ये सदस्य अपना अगला नेता चुनने के लिए अगत की शुरुआत में वोटिंग शुरु करेंगे, यही नेता सत्तारूढ़ पार्टी का प्रमुख होने के नाते ब्रिटेन का अगला प्रधानमंत्री बनता है।

चीन के विश्लेषकों ने कहा कि यू.के. वर्तमान में गंभीर आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहा है और यदि वह चीन के साथ अपने संबंध और खराब कर अपने द्विपक्षीय व्यापार संबंध को प्रभावित करता है तो वह निश्चित रूप से अधिक प्रभावित होगा। अत: राजनेता चुनाव में वोट जुटाने के लिए कुछ भी कह सकते हैं, लेकिन उन्हें ये भी याद रखना चाहिए कि निर्वाचन के बाद उनकी प्राथमिकताएं क्या हैं और यदि वे अपने वादों पर वास्तव में खरा उतरते हैं तो फिर क्या होगा। यू.के. अब एक गंभीर आर्थिक समस्या का सामना कर रहा है। गॉर्जियन के अनुसार यू.के. की महंगाई दर 40 वर्षों में सबसे अधिक 9.4 प्रतिशत है और अक्टूबर माह में 12 प्रतिशत हो सकती है। गॉर्जियन ने शुक्रवार को खबर दी थी कि नैशनल रेल और दर्जनभर से अधिक ट्रेन कंपनियों के 40 हजार से अधिक कर्मचारियों की अगले सप्ताह एक सुनियोजित हड़ताल है और वर्ष 1995 के बाद से यह अपने तरह की पहली राष्ट्रीय हड़ताल होगी। सरकार ने जब पब्लिक सैक्टर के लाखों कर्मियों के लिए महंगाई की तुलना में कम वेतन बढ़ोतरी की तब ट्रेड यूनियनों के आवेशित नेताओं ने आने वाले महीनों में कई हड़तालों का 19 जुलाई को संकेत दिया था।

विश्लेषकों ने कहा कि यू.के. के नए नेता की इन परेशानियों के समक्ष चीन-यू.के. संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले बेतुके कदम नहीं उठाने चाहिए। यूरोप के मीडिया संस्थान यूरो न्यूज के अनुसार वर्ष 2021 में चीन जर्मनी को पछाड़कर यू.के. का सबसे बड़ा आयात बाजार बन गया क्योंकि बैकि़ज़ट और कोविड-19 की वैश्विक महामारी के कारण यूरोपीयन यूनियन के सदस्य देशों का वस्तु व्यापार कम हो गया। ब्रिटेन के ऑफिस फॉर नैशनल स्टैटिस्टिक्स के अनुसार ई.यू. देशों के साथ कुल वस्तु व्यापार में वर्ष 2018 की पहली तिमाही में 23 प्रतिशत से अधिक की कमी आई और वर्ष 2021 की पहली तिमाही में गैर ई.यू. देशों का व्यापार सिर्फ 0.8 प्रतिशत ही कम हुआ।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिशत था। देश में बढ़ती महंगाई और जी.डी.पी. ग्रोथ पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। हालांकि घटे स्तर पर भी भारत की "ग्रोथ" प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक होगी। संशोधित अनुमान में एक महत्वपूर्ण बात यह है कि विश्व मंदी के कगार पर है। यह गिरावट केन्द्रीय बैंकों की प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति की वजह से है। दो बड़े देशों रुस व चीन की अर्थव्यवस्था के संकुचन के कई नकारात्मक प्रभाव हो रहे है। चीन तो हाउसिंग सैक्टर में नए खतरे से जूझ रहा है, यहां कर्ज़ लेकर घर खरीदने वालों ने कर्ज़ की किश्तें चुकाने से मना कर दिया। इससे चीन भारी "क्रैडिट क्राइसिस" में जा सकता है, और फाइनैंशियल सैक्टर फ्रीज़ हो सकता है।

चीन की फाइनैंशियल सैक्टर की समस्या काफी प्रचंड है क्योंकि डूबत कर्जों, बैंक पर बढ़े भार और "मॉर्गेज वैल्यु" में कमी जैसे महत्वपूर्ण कारकों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। इस संकट की वजह प्रॉपर्टी की खरीद फरोख्त रुक गई है, जिससे प्रॉपर्टी कम्पनियों की स्थिति और बिगड़ जाएगी। रूस के मामले में अभी भी यह पता नहीं है कि प्रतिबंधों की वजह से गत कुछ महीनों से रूस की आर्थिक ग्रोथ कितनी कम हुई है। हालांकि ऊर्जा की बढ़ती कीमतों ने फिलहाल रूस को राहत दी है पर रूस पर व्यापक प्रतिबंधों की वजह से रूसी कम्पनियों के लिए काम करना कठिन होता जा रहा है।

ग्लोबल इकॉनमी के इस संकट से कई देशों की ग्रोथ संभावना प्रभावित हो रही है पर भारत किसी हद तक सुरक्षित है भारत की अर्थव्यवस्था निर्यात या अन्तर्राष्ट्रीय वित्त प्रवाह पर कम निर्भर है इसलिए भारत की संभावनाएं ज्यादा प्रभावित नहीं होंगी। सबसे ज्यादा चीन प्रभावित हुआ है क्योंकि यह निर्यात और विदेशों से आने वाली पूंजी पर निर्भर है। चीन की ओर होने वाला पूंजी प्रवाह लॉकडाउन और कोविड की वजह से प्रभावित हुआ है। कई बड़ी कम्पनियों ने चीन में निवेश करने के प्रस्ताव वापस ले लिए हैं।

मंगलवार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आक्रोश भी बढ़ता गया तथा आसमान छूने लगा। केवल अशोक गहलोत का रक्तचाप ही इसका अपवाद था, जो नीचे जा रहा था तथा उसे बढ़ाने के लिये काफी कुछ किये जाने की जरूरत थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908